चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	29.7.23	7	1

HAU grant for business ideas

Hisar: The Agribusiness Incubation Centre of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, will provide grants ranging from Rs 5 lakh to Rs 25 lakh for new business ideas. This grant will be given by the Union ministry of agriculture and farmers welfare.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	29-7-23	9	5-8

कार्यक्रम

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

मात्र एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता पच्चीस लाख रुपये

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक करना है ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है।

यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में पांच लाख रुपये जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

हिसार। एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

चार साल में 55 स्टार्टअप्स के लिए 6 करोड़ की राशि स्वीकृत

पिछले चार वर्षों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा छह करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जो निशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

अपना व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर

कुलपति ने कहा कि युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ो रुपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। मौके पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-7-23	4	1-4

भास्कर खास • एचएयू की वेबसाइट पर 28 अगस्त तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

एबिक सेंटर में पहल प्रोग्राम के लिए ₹5 लाख व सफल के लिए ₹25 लाख का मिलता है अनुदान

भास्कर न्यूज | हिसार

बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया अगर आपके पास है तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एबिक के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से दी जाएगी। इसके लिए आपको एचएयू की वेबसाइट

hau.ac.in पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

एचएयू कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रूपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जो निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी की तरफ से दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर आरकेवीवाई डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29-7-23	4	2-6

एक आइडिया कारोबार के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये

जागरण संवाददाता, हिसार : अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक आनलाइन आवेदन करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए। • विज्ञप्ति

दिया जाएगा दो माह का प्रशिक्षण

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल आनलाइन आवेदन करना है जोकि निश्शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी आरआइसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले चार सालों में 55 स्टार्टअप को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

दूसरों को भी दे पाएंगे रोजगार: कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने का सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	29-7-23	5	2-8

हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख

सच कहूँ /संदीप सिंहमार

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एव एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते है। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम है, जिसमे पहल प्रोग्राम मे 5 लाख रुपए जबकि सफल प्रोग्राम मे 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालो मे 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एव कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से सबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वितीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते है। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ो रुपये तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगो को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-7-23	4	1-6

रोज़गार

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, बेरोजगार युवाओं, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

बिजनेस का नायाब आइडिया दें और पाएं 25 लाख का अनुदान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आपको 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) प्रक्रिया के तहत प्रदान करेगा।

इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है। एचएयू के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर कांबोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं। 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप को केंद्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए। संवाद

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार : वीसी ने कहा कि इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रुपये तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगो को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-7-23	5	3-6

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रूपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रूपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रूपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया। आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्युबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा। कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	29-7-23	8	3

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

हिसार, 28 जुलाई (हप्र)

अगर आपके पास बिजनेस का कोई नया आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) में स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा संबंधित क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29.7.23	2	1

एच.ए.यू. के एबिक सैंटर ने मांगे आवेदन

हिसार, 28 जुलाई (ब्यूरो): अगर आपके पास कोई बिजनैस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनैस इंक्यूबेशन सैंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	28.07.2023	--	--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये, एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

पांच बजे न्यूज

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

इनोवेटिव आइडिया को मिल सकती है 25 लाख तक की ग्रांट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाइसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते है। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम है, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाधा

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इन्क्यूबेशन कमेटी आरकेवीवाई द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, मार्केटिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते है। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसिपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	28.07.2023	--	--

'एक आइडिया आपको दिला सकता है 5 से 25 लाख'

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन

नभ-छोर न्यूज ›› 28 जुलाई

हिसार। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपए की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन करना है। कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए पहल व सफल-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें पहल प्रोग्राम में 5 लाख रुपए जबकि सफल प्रोग्राम में 25 लाख रुपए की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा

नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा वही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	28.07.2023	--	--

दैनिक पाठकपक्ष, हिसार, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 जुलाई : अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट www.hau.ac.in पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाध्य

आवेदक को अपने आइडिया का प्रोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि नि:शुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज द्वारा एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) कार्यक्रमों से संबंधित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रूपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगो को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।

इनोवेटिव आइडिया को मिल सकती है 25 लाख तक की ग्रांट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रैडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रूपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रूपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	28.07.2023	--	--

एक आइडिया कारोबार स्थापित करने के लिए दिला सकता है 25 लाख रुपये : कुलपति

एचएयू के एबिक सेंटर ने मांगे आवेदन, हरियाणा व समीपवर्ती राज्यों के बेरोजगारों, युवकों, किसानों व उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 28 जुलाई। अगर आपके पास कोई बिजनेस करने का नया तरीका या आइडिया है, तो यह आइडिया आपको चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से स्थापित एग्रीबिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के माध्यम से 5 से 25 लाख रुपये की अनुदान राशि दिला सकता है। यह अनुदान राशि एक प्रक्रिया के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। इसके लिए आपको सिर्फ चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर 28 अगस्त, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन करना है।

इनोवेटिव आइडिया को मिल सकती है 25 लाख तक की ग्रांट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं एबिक के अध्यक्ष प्रो. बी.आर. काम्बोज के अनुसार इस सेंटर के माध्यम से युवा, किसान व उद्यमी मार्केटिंग, नेटवर्किंग, लाईसेंसिंग, ट्रेडमार्क व पेटेंट, तकनीकी व फंडिंग से संबंधित प्रशिक्षण लेकर कृषि क्षेत्र में अपने स्टार्टअप को नया आयाम दे सकते हैं। इसके लिए 'पहल' व 'सफल'-2023 नाम से दो प्रोग्राम हैं, जिसमें 'पहल' प्रोग्राम में 5 लाख रुपये जबकि 'सफल' प्रोग्राम में 25 लाख रुपये की अनुदान राशि का प्रावधान है। उन्होंने बताया पिछले 4 सालों में 55 स्टार्टअप्स को केन्द्रीय कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय द्वारा 6 करोड़ 54 लाख की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कुलपति ने उक्त कार्यक्रमों से संबंधित विवरण पुस्तिका का विमोचन किया।

आवेदकों के लिए आयु व शिक्षा नहीं बनेगी बाधा

आवेदक को अपने आइडिया का प्रपोजल ऑनलाइन आवेदन करना है जोकि निःशुल्क है। इसके बाद उस आइडिया का यूनिवर्सिटी वैज्ञानिक व इंक्यूबेशन कमेटी आरआईसी द्वारा दो महीने के प्रशिक्षण के लिए चयन किया जाएगा। दो महीने के प्रशिक्षण के बाद दोबारा यही कमेटी आवेदक के आइडिया को प्रस्तुत करवाएगी और चयनित आवेदक के नाम के प्रस्ताव को अनुदान राशि के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के पास भेजा जाएगा तथा अनुदान राशि देने का अंतिम फैसला मंत्रालय की कमेटी द्वारा किया जाएगा।

एबिक सेंटर से प्रशिक्षित युवा दे पाएंगे दूसरे लोगों को भी रोजगार

कुलपति ने कहा युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। एबिक सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा रोजगार खोजने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इस सेंटर के माध्यम से स्टार्टअप्स देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे इसके साथ ही युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। ये दोनों कार्यक्रम उनको आत्मनिर्भर बनाने में काफी मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा इस सेंटर से अब तक जुड़े युवा उद्यमी व किसानों ने न केवल अपनी कंपनी का टर्न ओवर करोड़ों रुपए तक पहुंचाया है अपितु उन्होंने दूसरे लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है। इस अवसर पर एबिक के डायरेक्टर डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा, प्रिंसीपल इन्वेस्टीगेटर (आरकेवीवाई) डॉ. राजेश गेरा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व एबिक के बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु मौजूद रहे।